बूंदी की तालेड़ा ग्राम पंचायत समिति में विकास कार्यों के उद्घाटन समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण

श्री राजेश रायपुरिया जी;

तालेड़ा ग्राम पंचायत समिति के प्रधान जी ;

देवियो एवं सज्जनो:

आज इस शुभ अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। हम बूंदी की तालेड़ा ग्राम पंचायत समिति में विकास कार्यों के एक महत्वपूर्ण चरण का उद्घाटन करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। इस समारोह में मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं इस ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों, कार्यक्रम के आयोजकों और इस पंचायत के लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं।

अपने क्षेत्र के लोगों जो समान सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत साझा करते हैं, उनसे मिलना हमेशा एक सुखद अनुभव होता है ,अपनेपन, भाईचारे और प्रसन्नता का एहसास होता है। इसलिए, मुझे आप सभी के साथ समय बिताने का यह अवसर मिला इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके लिए दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, सामूहिक एवं सतत प्रयास की आवश्यकता होती है। सही अर्थों में, इसका आशय है कि लोगों की न केवल जीवन की बुनियादी सुविधाओं और आवश्यकताओं तक पहुंच हो बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाये कि सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध हों।

यह केवल सड़कों और अवसंरचना के निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पानी और

रोजगार के अवसरों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना भी है। इसका उद्देश्य व्यक्तियों और समुदायों को सम्मान के साथ खुशहाल जीवन जीने में सक्षम बनाना भी है।

प्रत्येक राज्य में स्थानीय निकाय का प्रत्येक सदस्य अपने-अपने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधनों, समस्याओं और चुनौतियों से अच्छी तरह अवगत है। जन प्रतिनिधि के रूप में, यह हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है कि हम ऐसी नीतियां बनाएं और लागू करें जो सभी के लिए समृद्धि और विकास का पथ प्रशस्त करें।

मैं इस क्षेत्र के विकास के लिए अथक प्रयास करता रहा हूं। मेरा सपना है कि कोटा, भीलवाड़ा, बूंदी, बारां और झालावाड़ पर्यटन के प्रमुख केंद्र बनें। इस क्षेत्र में नए उद्योगों के विकास के अवसरों का पता लगाया जा रहा है।

बूंदी अपने शानदार महलों, भव्य किलों और शांत झीलों के साथ हमेशा से राजस्थान का सिरमौर रहा है।

बूंदी की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, पर्यटन और खनन उद्योग पर निर्भर है। बूंदी के समग्र आर्थिक विकास में कृषि का प्रमुख योगदान है।

इस संदर्भ में विशेषकर चावल उद्योग अत्यंत महत्वपूर्ण है जो इस क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, कई लोगों को आजीविका प्रदान करता है और देश के लिए मूल्यवान विदेशी मुद्रा भी अर्जित करता है।

इसके अलावा, बूंदी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और पर्यटकों के आकर्षण का एक लोकप्रिय स्थल है। इस दृष्टि से देखें तो, बूंदी में विकास की प्रचुर संभावनाएं हैं।

मुझे विश्वास है कि हम अपने सम्मिलित प्रयासों से शीघ्र ही इन संभावनाओं को साकार कर सकेंगे। इस क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों से यहां खुशहाली आई है, समग्र विकास को गति मिली है तथा इस गति को बनाए रखने के लिए एक मजबूत आधार मिला है।

हमारे देश की तीन-चौथाई जनसंख्या ग्रामीण भारत में निवास करती है। ग्रामीण विकास की गति को तेज करना राष्ट्र के विकास हेतु अनिवार्य है। एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण

के लिए हमें अपने सभी गांवों को पिछड़ेपन और गरीबी से मुक्त कराना होगा। जन प्रतिनिधियों के रूप में हमें विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तीव्र और सतत विकास लाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

मेरा मानना है कि पंचायतें स्थानीय स्वशासन की जमीनी स्तर की इकाइयाँ हैं और ग्रामीण भारत में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने का मुख्य साधन हैं। जमीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी सामाजिक-आर्थिक विकास लाने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है।

स्वतंत्रता के पश्चात राजस्थान पंचायती राज स्थापित करने वाला पहला राज्य था। भारत में पंचायती राज व्यवस्था ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबी यात्रा तय की है।

अब हमारी पंचायतों में 31 लाख से अधिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

पंचायत प्रणाली हमेशा से हमारी संस्कृति और सभ्यता का अभिन्न अंग रही है। यह लोकतंत्र और विकास, दोनों का प्रतीक है। इसने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक और घर-घर पहुंचाया है। विकास प्रक्रिया का हिस्सा होने की यह भावना ही हमारे जीवंत लोकतंत्र को वास्तविक अर्थ प्रदान करती है।

सबसे निचले स्तर पर एक प्रातिनिधिक संस्था के रूप में, पंचायती राज ने लोगों को अपने क्षेत्र के स्थानीय शासन में भागीदार बनने का अवसर दिया है और अपने हित में निर्णय लेने में सक्षम बनाया है।

विगत वर्षों के दौरान पंचायती राज संस्थाओं ने समाज के वंचित वर्गों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मुख्यधारा में लाकर सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में काम किया है।

पंचायतों में आरक्षण के परिणामस्वरूप वंचित वर्ग और सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोग तथा महिलाएं बड़ी संख्या में सत्ता के पदों पर आसीन हुई हैं। यह अत्यंत प्रशंसनीय है कि कई राज्यों ने अपनी पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। इसके परिणामस्वरूप, 31.89 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 14.54

लाख महिला प्रतिनिधि हैं। इन निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व में भारत एक समतामूलक, जेंडर सेंसिटिव और सर्व-समावेशी राष्ट्र बनने की दिशा मे आगे बढ़ रहा है।

हाल ही में, हमारी सरकार ने संविधान के 128वें संशोधन विधेयक यानि नारी शक्ति वंदन विधेयक को लोक सभा और राज्य सभा में पारित किया है। यह शीघ्र ही एक अधिनियम बनने वाला है। यह देश की संसदीय यात्रा का स्वर्णिम क्षण है।

इस महिला आरक्षण विधेयक का आशय लोक सभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण हेतु प्रावधान करना है और यह अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों पर भी लागू होगा। राजनीतिक प्रतिनिधित्व महिला सशक्तिकरण का एक मूलभूत पहलू है।

मुझे विश्वास है कि इस विधेयक के पारित होने से हमारी आधी आबादी का पंचायतों से लेकर संसद तक पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकेगा।

मैं पंचायतों के सदस्यों से आग्रह करूंगा कि वे ग्रामीण व्यवसायों के हब स्थापित करने के विचार पर काम करें। सरकार ने उद्यमशीलता की ऐसी पहलों का समर्थन और वित्तपोषण करने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ग्रामीण उद्यम अपना माल बाजार तक पहुँचाने में सक्षम हों।

इस प्रकार, ग्रामीण-शहरी विभाजन कम होगा और हमारी विकास प्रक्रिया समावेशी बनेगी।

मुझे विश्वास है कि आगामी कुछ वर्षों में ग्रामीण भारत वास्तव में समृद्ध होगा और हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विज़न के अनुरूप सभी गाँव आदर्श ग्राम बनेंगे। मैं पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि वे गांवों में लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने के लिए निरंतर काम करें।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं पुनः आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और आपके भावी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में विकास के ऐसे

और कार्य किए जाएंगे एवं तालेड़ा ग्राम पंचायत समिति पूरे क्षेत्र के लिए विकास का मॉडल बनकर उभरेगी।